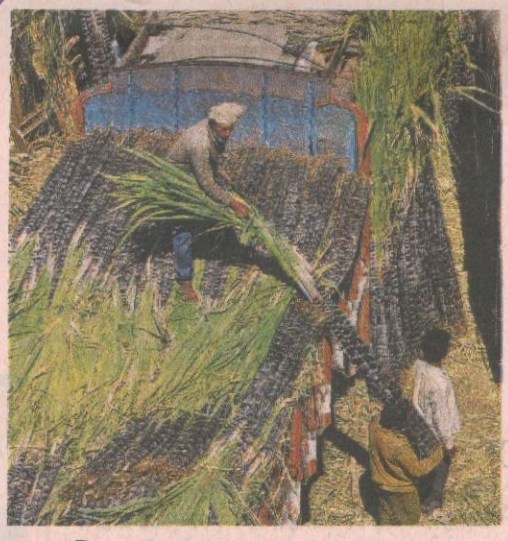

एरियर पर ब्याज लगाने के UP के फैसले से मिलों पर बढ़ा दबाव

[जयश्री भोसले | पुणे]

चीनी की कीमतों में मजबूती तो है, लेकिन उनमें स्थिरता बनी हुई है। चीनी मिलों के गन्ने के बकाए एरियर पर 15 फीसदी का ब्याज लगाने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले से यूपी की चीनी मिलों पर शुगर बेचने का दबाव बढ़ने की उम्मीद है।

इंडस्ट्री से जुड़े एक व्यक्ति ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, 'चीनी मिलें गन्ने का भुगतान करने के लिए शुगर बेचने के दबाव में आ सकती हैं।' पिछले पखवाड़े के लिए मुंबई के वाशी में S-30 ग्रेड वाली शुगर की होलसेल कीमतें 38.50-39.50 रुपये प्रति किलो के बीच स्थिर रहीं।

राज्य की शुगर इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, चीनी मिलों को अब तक की तारीख के बकाए एरियर पर करीब 200 करोड़ रुपये का इंटरेस्ट देना होगा। उत्तर प्रदेश में 15 चीनी मिलें चलाने वाले बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल्स ग्रुप पर सबसे ज्यादा 2,234 करोड़ रुपये एरियर बकाया है।

> **"हमने चीनी मिलों को उनके बकाए पर इंटरेस्ट का भुगतान किसानों को करने के लिए पहले ही ऑर्डर जारी कर दिए हैं**
>
> **V K द्विवेदी,** केन कमिश्नर, यूपी

पेमेंट्स पर डिफॉल्ट करने वाली दूसरी शुगर मिलों में सिंभावली ग्रुप (337 करोड़), मोदी ग्रुप (444 करोड़ रुपये), मवाना ग्रुप (255 करोड़ रुपये) और उत्तम समूह (89 करोड़ रुपये) हैं। उत्तर प्रदेश के केन कमिश्नर विपिन कुमार द्विवेदी ने बताया, 'हमने चीनी मिलों को उनके बकाए पर इंटरेस्ट का भुगतान किसानों को करने के लिए पहले ही ऑर्डर जारी कर दिए हैं।'

उत्तर प्रदेश में इस सीजन में चालू रहने वाली 116 शुगर मिलों में से करीब 55-60 ने किसानों को उनके एरियर का भुगतान कर दिया है। बाकी की चीनी मिलों में अपने बकाए का भुगतान करने वाली करीब 15 शुगर मिलें अब भी ऑपरेट कर रही हैं।

6 मई 2017 तक के आंकड़ों के मुताबिक राज्य की चीनी मिलों ने 87.25 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन किया है। उत्तर प्रदेश में 88 लाख टन शुगर के प्रॉडक्शन की उम्मीद है। यूपी में पेराई का सीजन इस महीने के आखिर में खत्म होगा।

The Economic Times
8/5/17